Series LRH/2

Code No. **4/2/1**
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

HINDI
हिन्दी
(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सृष्टि के प्रारंभ से ही मानव का प्रकृति से निकट संपर्क रहा है । वन के वृक्ष ही तब मनुष्य को भोजन, वस्त्र, आश्रय देते थे और बीमारी में औषधि भी । तब उसने अनुभव किया था कि वन ही उसके सच्चे मित्र हैं । किन्तु विज्ञान के नित्य नए आविष्कारों ने मानव

को उन्मत्त बना दिया । देश में विभिन्न प्रकार के शिल्पों की स्थापना हुई । प्राविधिक और प्रौद्योगिक दक्षता से मानव विमूढ़ भी हो गया । वनभूमि परित्यक्त या नष्ट होने लगी और नगरीकरण का सूत्रपात हुआ । कल-कारख़ानों की वृद्धि हुई । विलास की वस्तुओं के निर्माण के लिए असंख्य पेड़ काट डाले गए ।

अनियंत्रित और अपरिमित वन-उन्मूलन का भयावह परिणाम हुआ । तब लोगों को चेतना आई । वन-विध्वंस के दुष्परिणाम और वन-सृजन की उपयोगिता समझ में आने लगी । हमारे देश में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ही वन-महोत्सव के प्रथम प्रवर्तक थे । उन्होंने शान्तिनिकेतन में इस पर्व का शुभारंभ किया । उन्होंने नृत्य-गीत द्वारा इस अनुष्ठान को एक आनंदमय उत्सव का रूप दिया था । गुरुदेव के आदर्श से प्रेरणा लेकर भारत सरकार ने औपचारिक रूप से वन-महोत्सव का प्रारंभ किया । इस राष्ट्रीय उद्यम का उद्देश्य वन-संरक्षण ही नहीं, नए पौधे लगाकर पेड़ों की तादाद को बढ़ाना भी है । सरकार अब वन-संपदा के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्त्व को समझ गई है । पर्यावरण और वर्षा के परिमाण के लिए भी वन की अपरिहार्य भूमिका को हृदयंगम करने का दिन आ गया है ।

(i) मानव ने वन के सच्चे मित्र होने का अनुभव क्यों किया ? *2*

(ii) मनुष्य के उन्मत्त और विमूढ़ होने के क्या कारण थे ? *2*

(iii) नगरीकरण का वनों पर क्या प्रभाव पड़ा ? *1*

(iv) वन-महोत्सव के प्रथम प्रवर्तक कौन थे ? *1*

(v) शान्तिनिकेतन में इस पर्व का शुभारंभ कैसे हुआ ? *1*

(vi) वन-महोत्सव उद्यम का उद्देश्य क्या है ? *1*

(vii) वनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है ? *1*

(viii) वृद्धि और प्रारंभ का विपरीतार्थक लिखिए । *1*

(ix) वस्त्र और पेड़ के एक-एक पर्यायवाची लिखिए । *1*

(x) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

वीर जवानो, सुनो, तुम्हारे सम्मुख एक सवाल है ।
जिस धरती ने तुमको सींचा
अपने खून-पसीने से,
हार गई दुश्मन की गोली
वज्र सरीखे सीने से ।
जब-जब उठीं तुम्हारी बाँहें होता वश में काल है ।
जिस धरती के लिए सदा
तुमने सब कुछ क़ुर्बान किया
शूली पर चढ़-चढ़ हँस-हँस कर
कालकूट विष-पान किया ।
जब-जब तुमने क़दम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं ।
इस धरती को टुकड़े-टुकड़े
करना चाह रहे दुश्मन
बड़े ग़ौर से अजब तुम्हारी
चुप्पी थाह रहे दुश्मन,
जाति-पाँति, वर्गों-फ़िरक़ों के वह फैलाता जाल है ।
कुछ देशों की लोलुप नज़रें
लगी तुम्हारी ओर हैं,
कुछ अपने ही जयचंदों के
मन में बैठा चोर है ।
सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल हैं ।

(i) उपर्युक्त काव्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ii) कविता किन्हें संबोधित है ? *1*

(iii) 'धरती' से क्या तात्पर्य है ? उसके लिए भारतीय युवकों ने क्या किया है ? *2*

(iv) दुश्मन हमारे देश के विरुद्ध क्या-क्या षड्यंत्र रच रहे हैं ? *2*

(v) किन्हें सावधान करने की ज़रूरत है ? क्यों ? *2*

अथवा

तू जननी है, तू धात्री है, तू जीवन, तू प्राण है ।
तेरी चरण-धूलि पर, माता, मेरा सब बलिदान है ।
तेरी चरण-धूलि की महिमा मिली हमारे अंगों को,
हम निष्कंटक सदा रखेंगे मां तेरे उत्संगों को ।
तेरा अँगना, तेरी गलियाँ, हमको स्वर्ग समान हैं ।
तेरी चरण-धूलि पर, माता, मेरा सब बलिदान है ।
सुदृढ़ वज्र की तरह देह है तेरे पुत्रों की माता,
हमें नहीं है भय, सीमा पर कौन कहाँ से है आता ।
तेरी माटी के हम पुतले — सब प्रताप हैं, सब साँगा,
पीछे कौन हटा है, माता, तूने जब-जब सिर माँगा ।
तेरे चरणों पर सिर देना ही सिर का अभिमान है
तू जननी है, तू धात्री है, तू जीवन, तू प्राण है ।
तेरे बेटे वीर, बेटियाँ तेरी पीछे क्योंकर हों ?
शीशदान की इस वेला में, माता, उत्सव घर-घर हों ।
यदि सीमा पर टिड्डी-दल बनकर फिर दुश्मन आए हैं,
तेरे गरुड़-पुत्र भी, माता उन्हें निगलने धाए हैं ।

(i) कविता का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ii) यह कविता किसे संबोधित की गई है ? *1*

(iii) भारतीयों के लिए क्या-क्या स्वर्ग-समान है ? *1*

(iv) किन पंक्तियों का आशय है — बलवान और दृढ़ भारतीयों को सीमा पर आने वाले शत्रु की कोई चिंता नहीं है ? *1*

(v) आशय स्पष्ट कीजिए — पीछे कौन हटा है, माता, तूने जब-जब सिर माँगा । *2*

(vi) 'टिड्डी-दल' और 'गरुड़पुत्र' किन्हें कहा है और क्यों ? *2*

3. छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को आपने मनीआर्डर द्वारा एक हजार रुपये भेजे, जो एक मास बीत जाने पर भी उसे नहीं मिले । अधीक्षक, पोस्ट आफिस को पत्र लिखकर शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध कीजिए । *5*

अथवा

अपने छात्रावास के अधीक्षक को पत्र लिखकर छात्रावास के रसोईघर की नियमित सफ़ाई कराने के लिए निवेदन कीजिए ।

4. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) खेलकूद हैं आवश्यक

- शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य
- प्रतिस्पर्धा की भावना
- अनुशासन की प्रेरणा
- खेलों से देश की प्रतिष्ठा

(ख) राष्ट्रध्वज हमारा

- स्वरूप और महत्त्व
- विजय और स्वाभिमान का प्रतीक
- आत्मगौरव, राष्ट्र के प्रति सम्मान का संदेश
- हमारा कर्तव्य

(ग) मोबाइल फोन

- अद्‌भुत वैज्ञानिक आविष्कार
- अनेक सूचनाओं का माध्यम
- सदुपयोग और दुरुपयोग
- अपरिहार्यता

खण्ड ग

5. (क) पद और शब्द का अंतर स्पष्ट कीजिए । *1*

(ख) नीचे दिए गए वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम बताइए : *1*

लाल टोपी वाला एक आदमी चला आ रहा था ।

(ग) निम्नलिखित रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए : *2*

हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव होने वाला है ।

6. (क) निर्देशानुसार वाक्य-रचना कीजिए : *2*

(i) अनंत प्राकृतिक संपदाओं से भरी होने के कारण धरती को वसुंधरा कहते हैं । (मिश्र वाक्य)

(ii) कवियों की कविता सुनकर दूसरों का मनोरंजन होता है । (संयुक्त वाक्य)

(ख) रचना के अनुसार वाक्य-भेद बताइए : *2*

(i) वे संतुलित भोजन करते हैं और स्वस्थ रहते हैं ।

(ii) ज्योंही शिक्षक गए, विद्यार्थियों ने खेलना शुरू कर दिया ।

7. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

(क) समयोचित, पत्राचार । (संधिच्छेद कीजिए) *1*

(ख) परि + आवरण, धन + आगम । (संधि कीजिए) *1*

(ग) धनबल, ज्ञानचक्षु । (समस्त पदों का विग्रह कीजिए) *1*

(घ) कन्यादान, सफ़ेद फूल । (समास का नाम लिखिए) *1*

8. (क) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं ***दो*** का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए : *2*

(i) जले पर नमक छिड़कना

(ii) गाल बजाना

(iii) घुटने टेकना

(iv) झंडा गाड़ना

(ख) रिक्तस्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति द्वारा कीजिए : 2

(i) शोभना आपके सामने आपको ख़ुश रखने वाली बातें करती है, और मेरे सामने मुझे ख़ुश रखने वाली, इसे कहते हैं _____ दास ।

(ii) वीर बहादुर ने _____ खेलकर डूबते बच्चे को बचा लिया ।

9. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 4

(क) हम सोच समझकर काम किया ।

(ख) कृपा करके आप हम पर बड़ी कृपा की है ।

(ग) स्वतंत्रता-दिवस पर प्रधानमंत्री यह घोषणा की ।

(घ) प्रयत्न नहीं यदि करोगे तो सफल कैसे होगे ।

खण्ड घ

10. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए ।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी ।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे ।
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

(क) 'अभीष्ट मार्ग' से क्या तात्पर्य है ? उस पर चलते हुए हमें क्या करना चाहिए ?

(ख) 'बढ़े न भिन्नता कभी' — से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

(ग) मनुष्य किसे कहा गया है और क्यों ?

अथवा

अब तो बहरहाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अक्सर करती हैं गपशप
कभी-कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं
खास कर गौरैयें ।
वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद ।

(क) कविता किसके बारे में है ? उसकी क्या विशेषता है ?

(ख) किन बातों से लगता है कि तोप निरर्थक हो गई है ?

(ग) उपर्युक्त काव्यांश क्या संदेश देता है ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3\times3=9$

(क) कबीर ने किस व्यक्ति को सुखी और किसको दुखी माना है ? 'कबीर की साखी' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'बिहारी के दोहे' में कवि ने ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए बाह्याडंबर का विरोध कैसे किया है ?

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में तालाब की समानता किसके साथ की गई है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए ।

(घ) महादेवी वर्मा के गीत के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि दीपक से किस बात का आग्रह किया जा रहा है और क्यों ।

12. (क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता से कवि देशवासियों को क्या संदेश देना चाहता है ? अपने शब्दों में लिखिए । *3*

(ख) 'विपदाओं से मुझे बचाओ यह मेरी प्रार्थना नहीं' इस पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है ? 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर लिखिए । *2*

13. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी ***एक*** को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा । क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था । लोग सहम उठे । एक सन्नाटा-सा खिंच गया । जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताक़त से उसे खींचने लगा । वह पसीने से नहा उठा । सब घबराए हुए थे । वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया । वह हाँफ रहा था । अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी । मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो । एक गड़गड़ाहट-सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी । द्वीप के अंतिम सिरे तक तताँरा धरती को मानो क्रोध में काटता जा रहा था । सभी भयाकुल हो उठे । लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना न की थी, वे सिहर उठे ।

(क) तताँरा के क्रोध का क्या कारण था ?

(ख) क्रोध को शान्त करने के लिए तताँरा ने क्या किया ?

(ग) लोग भय से क्यों सिहर उठे ?

अथवा

मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा । मुझे दुनिया का और ज़िंदगी का जो तजुरबा है, तुम उसकी बराबरी नहीं कर सकते, चाहे तुम एम.ए. और डी.फिल. और डी.लिट. ही क्यों न हो जाओ । समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है । हमारी अम्मा ने कोई दरजा नहीं पास किया और दादा भी शायद पाँचवी-छठी जमात के आगे नहीं गए, लेकिन हम दोनों चाहे सारी दुनिया की विद्या पढ़ लें, अम्मा और दादा को हमें समझाने और सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा । केवल इसलिए नहीं कि वे हमारे जन्मदाता हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें दुनिया का हमसे ज़्यादा तजुरबा है और रहेगा । अमेरिका में किस तरह की राज-व्यवस्था है, और आठवें हेनरी ने कितने ब्याह किए और आकाश में

कितने नक्षत्र हैं, ये बातें चाहे उन्हें न मालूम हों लेकिन हज़ारों ऐसी बातें हैं, जिनका ज्ञान उन्हें हमसे और तुमसे ज़्यादा है ।

(क) यह कथन किसका है और उसने अपने बड़े होने का उल्लेख क्यों किया ?

(ख) पढ़े लिखे युवा और बुज़ुर्गों में किसे श्रेष्ठ माना गया है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है' — इस कथन का विवेचन कीजिए ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×3=9*

(क) सुभाष बाबू के जुलूस को ओपन लड़ाई क्यों कहा गया ? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ख) 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेन्द्र' पाठ के आधार पर लिखिए कि कलाकार के क्या कर्तव्य हैं ।

(ग) ओचुमेलॉव के चरित्र की क्या विशेषताएँ थीं ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) सवार के जाने के बाद कर्नल के आश्चर्यचकित होने के क्या कारण थे ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए ।

15. (क) 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर 'टी सेरेमनी' में चाय पीने वालों के अनुभवों को अपने शब्दों में लिखिए । *3*

(ख) 'कारतूस' नाटिका में सवार कर्नल से एकांत में बात क्यों करना चाहता था ? *2*

16. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर पूरक पाठ्य-पुस्तक 'संचयन' के आधार पर लिखिए : *4*

(क) 'गाँव की चर्चाओं के केंद्र हैं हरिहर काका,' हरिहर काका के बारे में ऐसी किन्हीं चार चर्चाओं/ख़बरों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) मास्टर प्रीतमचंद से डरने और नफ़रत करने के चार कारणों पर प्रकाश डालिए ।

17. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2\times3=6$

(क) हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे ?

(ख) कलेक्टर साहब के लड़के टोपी के दोस्त क्यों नहीं बन सके ?

(ग) ग़रीब घरों के लड़कों का स्कूल जाना क्यों कठिन था ? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(घ) तोतों के प्रति प्रीतमचंद के मधुर व्यवहार से उनके व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता के बारे में पता चलता है ?